लैंगिक मुद्दों के संबंध में कक्षा संचालन

A. कक्षा संचालन में लैंगिक मुद्दे

1. **रूढ़िबद्धता:** कक्षा में ज्यादातर छात्र अपने लिंग के आधार पर **रूढ़िबद्ध** होते हैं। लड़कियों को शांत और शिष्ट समझा जाता है, जबकि लड़कों को कोलाहलमय और अतिसक्रिय माना जाता है। लड़कियों और लड़कों को सौंपी गई नौकरियां भी इस रूढ़िवादिता को दर्शाती हैं। लड़कियों को सफाई और सफाई जैसे काम सौंपे जाते हैं जबकि लड़कों को सामान ढोने के लिए कहा जाता है.

2. **कक्षा भाषा में लैंगिक पूर्वाग्रह:** किसी भी भाषा में प्रयुक्त शब्द मुख्य रूप से प्रकृति में पुल्लिंग होते हैं। जैसे मानव जाति, भाईचारा आदि यह भी जाने-अनजाने में कक्षा में पहुँच जाता है। लिंग विशिष्ट शब्दों का उपयोग तब भी किया जाता है जब उन्हें लिंग तटस्थ शब्दों द्वारा प्रतिस्थापित किया जा सकता है.

3. **शरीरिक हाव-भाव के माध्यम से लैंगिक पूर्वाग्रह:** कक्षा में शिक्षक का ध्यान लड़कों की ओर अधिक होता है क्योंकि इस धारणा के कारण कि लड़के आसानी से विचलित हो जाते हैं जबकि लड़कियां अच्छा व्यवहार करती हैं।

4. **बैठने की व्यवस्था में लैंगिक विमुखता:** लड़कों और लड़कियों को अलग-अलग बैठने के लिए बनाया जाता है जिससे उनकी आपसी बातचीत कम हो जाती है। यह शिक्षक का ध्यान भी बांट सकता है क्योंकि शिक्षक का झुकाव एक लिंग की ओर हो सकता है और बाकी अवसरों से रहित हो सकता है।

5. **विषयों के संचालन में रूढ़िवादिता:** एक मिथक है कि लड़के गणित और विज्ञान में अच्छे होते हैं जबकि लड़कियां भाषाओं में अच्छी होती हैं। यह विश्वास विषयों के लेन-देन में रूढ़िवादिता की ओर ले जाता है। लड़कों को गणित और विज्ञान विषयों में अधिक अवसर मिलते हैं जबकि लड़कियों को भाषाओं में अधिक अवसर दिए जाते हैं.

6. **छात्रों को संबोधित करने के लिए लैंगिक रूढ़ियाँ:** लड़कियों के लिए सुंदर, आज्ञाकारी और विनम्र जैसे विशेषण और बहादुर, साहसी, मजबूत, लड़कों के लिए सुंदर का उपयोग किया जाता है जो छात्रों पर लिंग की उम्मीदों का बोझ डालते हैं.

B. लिंग के अनुकूल कक्षा संचालन

1. **लिंग के अनुकूल नियम स्थापित करें:** एक शिक्षक के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वह शुरू से ही नियमों का एक सेट स्थापित करे जो समानता को बढ़ावा दे। ऐसा करने का एक प्रभावी तरीका छात्रों के साथ कक्षा के नियम बनाना है। छात्रों से एक समान और सम्मानजनक कक्षा रखने के बारे में सुझाव देने के लिए कहें। यह शिक्षक को नियमों को इंगित करने की अनुमति देता है, जैसा कि पूरी कक्षा ने सहमति दी है। छात्रों का सम्मान करने, शिक्षकों का सम्मान करने और कक्षा में भाग लेने के नियमों को शामिल करना बहुत महत्वपूर्ण है.

2. **कक्षा में बैठने की योजना जो समान भागीदारी का समर्थन करती है:** यदि आप पाते हैं कि कुछ छात्र अपने लिंग की परवाह किए बिना कक्षा में भाग नहीं ले रहे हैं तो अपनी कक्षा की सीटिंग योजना को बदलने की कोशिश करें। शिक्षक उनके साथ निकटतम छात्रों के साथ सबसे अधिक बातचीत करते हैं। इस कारण से, सभी छात्रों को शिक्षक के पास बैठने के लिए बैठने के क्रम को बदलना महत्वपूर्ण है।

3. **समूह कार्य का उपयोग करना:** अक्सर कुछ छात्र, पुरुष या महिला होंगे जो कक्षा के सामने बोलने में सहज नहीं होते हैं। लेकिन वे छोटे समूहों में बोलने में अधिक सहज महसूस कर सकते हैं। सभी छात्रों को कक्षा में भाग लेने का अवसर देने के लिए, तीन से चार छात्रों के छोटे समूहों में कुछ गतिविधियाँ करने का प्रयास करें.

4. **छात्रों को समान रूप से संबोधित करना:** छात्रों को कक्षा में भाग लेने के मुख्य अवसरों में से एक है जब वे शिक्षक के सवालों का जवाब दे रहे होते हैं। शिक्षकों को संतुलित तरीके से महिला और पुरुष छात्रों को बुलाने या बात करने की आवश्यकता है। अनुसंधान से पता चलता है कि पुरुष और महिला दोनों शिक्षक अक्सर पुरुष छात्रों को कक्षा में बोलने के लिए महिला छात्रों की तुलना में अधिक बार बोलते हैं.

5. **प्रश्नों का उत्तर देने के लिए पर्याप्त प्रतीक्षा समय प्रदान करें:** कुछ छात्रों को पुरुष या महिला को एक शिक्षक द्वारा बुलाए जाने पर एक प्रश्न के उत्तर के बारे में सोचने के लिए समय की आवश्यकता हो सकती है। ऐसे विद्यार्थियों को बुलाते समय जो प्रश्न का उत्तर देने के लिए अधिक समय तक प्रतीक्षा करते हैं, छात्रों को कम से कम पाँच सेकंड देना सुनिश्चित करते हैं। शोध से पता चलता है कि छात्रों को जवाब देने के लिए अधिक समय देने से भाग लेने वाले छात्रों की संख्या बढ़ जाएगी.

6. **लिंग तटस्थ भाषा का उपयोग करें:** कभी-कभी अंग्रेजी में समूह के संदर्भ में पुरुष सर्वनाम का उपयोग करते हैं। लेकिन, यह महिला छात्रों को अलग थलग महसूस करवा सकता है। शिक्षकों को जब भी संभव हो लिंग तटस्थ सर्वनामों का उपयोग करना चाहिए। एक उदाहरण यह है कि "गाइस" कहने के बजाय, "हर कोई" या "सभी" कहा जाए.

7. **शारीरिक हाव-भाव :** शिक्षकों को यह महसूस नहीं हो सकता है कि महिला छात्रों के साथ उनकी शारीरिक भाषा पुरुष छात्रों के साथ भिन्न हो सकती है। जब भी पुरुष या महिला छात्र बात कर रहे हों, सम्मानजनक, सुनने वाली शारीरिक भाषा का उपयोग करें। श्रोता का सामना करें, दूर न चलें, और छात्रों को बाधित न करें। बोलते समय कक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में भी जाएँ। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि शिक्षक से दूर बैठे छात्र कम भाग लेते हैं.

8. **अनुशासन:** जानिए जब पुरुष छात्र महिला छात्रों का अपमान करते हैं, या महिला छात्र पुरुष छात्रों का अपमान करते हैं। यदि अपमान लिंग-आधारित प्रतीत होता है, तो छात्रों को भविष्य में कक्षा में भाग लेने से हतोत्साहित किया जा सकता है। हस्तक्षेप करने और छात्रों को अपमान करने के लिए अनुशासन देने के लिए त्वरित रहें। यह या तो लिंग के छात्रों को दिखाता है कि उन्हें समर्थन दिया जाएगा। हालांकि यह महत्वपूर्ण है कि पुरुष और महिला दोनों छात्रों को समान क्रियाओं के लिए एक ही अनुशासनात्मक प्रतिक्रिया दी जाए.

TEACHERS adda247
TEST SERIES
Bilingual
KVS PRT
30 TOTAL TESTS
Validity : 12 Months